वर्ष 1 - अंक 54
शुक्रवार 24 जनवरी 2025- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

राजकुमार कुरील द्वारा किया गया खबर का खंडन एवं कुरील द्वारा बोला गया कि ये सब आरोप गलत है

एवं फारुक खान पर लगाए गंभीर आरोप

पूर्व मे छोटे मोटे प्लाटो की 2 से 3 परसेंट की दलाली करने वाला जालसाज भूमाफिया फारूक लाला उर्फ़ (लम्बू) बना जमीनों की हेरा फेरी कर अवैध कालोनीया काटकर नमी कॉलोनी नाइजर

रणजीत प्रतिनिधि

इंदौर। चंदन नगर शिरपुर बाक मैं शासन द्वारा कई भूमाफियाओं पर कार्रवाई की गई और अवैध तरीके से काटी जा रही कॉलोनी पर रिमूवल कर कार्रवाई की गई जिसके बाद भी जालसाज भूम्फया फारूक लाला उर्फ़ (लंबू) जिसने जमीनों की हेरा फेरी करने मे महारत हासिल कर रखी है वो अवैध कालोनी काटने से बाज नहीं आ रहा है आपको बता दे की जालसाज भूम्फया फारूक लाला को जमीनी खेल का बड़ा जादूगर माना जाता है दरअसल पूरा मामला खसरा लाला उर्फ़ (लंबू) पिता नूर मोहम्मद द्वारा कृषि भूमि बाग़ ग्राम इंदौर पर छोटे-छोटे भूखंडों को काटकर अवैध कॉलोनी के रूप में किया जा रहा है जिसकी शिकायत पूर्व में भी राजकुमार कुरील पिता चंदूलाल कुरील द्वारा इंदौर पुलिस कमिश्नर महोदय और एटीएस महोदय भोपाल मे दी गई थी जिस पर इंदौर एसीपी सराफा द्वारा जांच कर आरोपी जालसाज भूमफया फारूक लाला उर्फ़ (लंबू) और समस्त आरोपियों के बयान दर्ज किए गए थे जिसके बाद वर्तमान में उक्त शिकायत की जाँच थाना चंदन नगर द्वारा की जा रही है जाँच के बावजूद भी कृषि भूमि पर लगातार अवैध निर्माण किये जा रहे है वर्तमान में इसी भूमि पर अच्छी खासी बसावट हो चुकी है प्रशासन द्वारा फारुख लाला उर्फ़ (लंबू) पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई जिसके कारण जालसाज भूमफया फारूक लाला उर्फ़ (लम्बू) को प्रशासन का कोई खौफ नहीं है राजकुमार कुरील द्वारा एक शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर भी दी गई थी जिस पर मल्हारगंज तहसील से पटवारी जुनैद बगदादी द्वारा जांच की गई थी जांच के द्वारा क्या कार्रवाई हुई उसकी आज वर्तमान तक कोई खबर नहीं है ऐसे में प्रशासन पर सवाल खड़ा होता है कि फारूक लंबू पर आज तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई वही सूत्र बताते है की भूमाफिया फारूक लाला उर्फ़ (लम्बू) की पकड़ राजदनीतिक दल के कई बड़े नेताओं से भी है जिसके चलते जालसाज भूमाफिया फारूक लाला ने अवैध कॉलोनीया काटकर शासन को हानि पोहचते हुए खुद को अमीर बनाया है राजनैतिक दल के सपोर्ट व अपने रसूक के चलते जलसाज भूमाफिया बड़े बड़े घोटाले करने के बावजूद भी खुले आम घूमता नजर आता है अब ये देखना दिलचपस होगा की कब होती है फारूक लाला जैसे जलसाज भूमाफिया पर कार्रवाई।

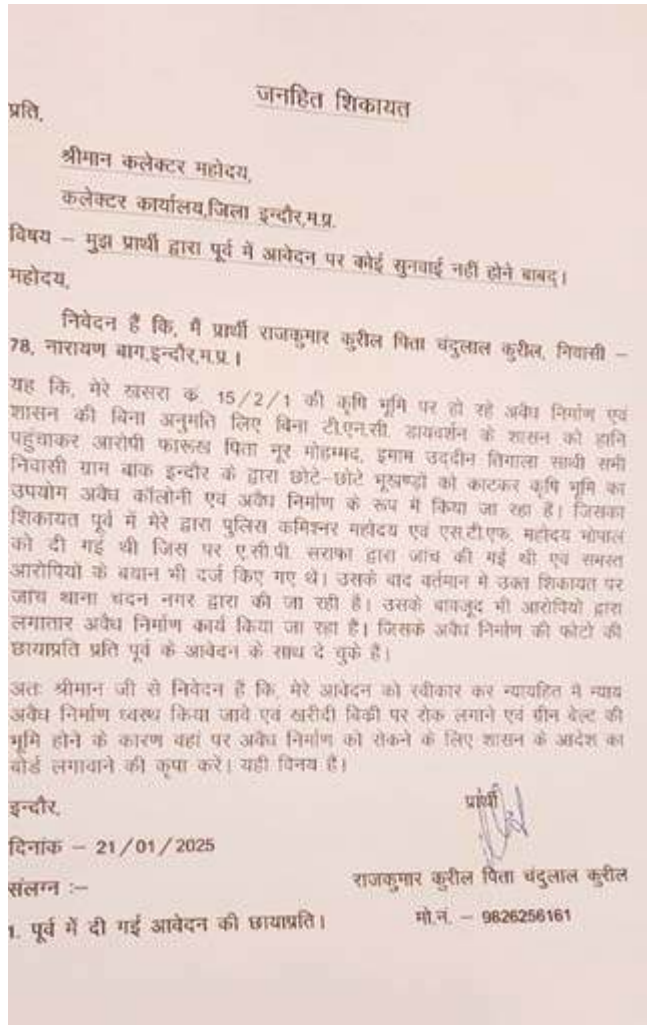

जनहित शिकायत

प्रति,

श्रीमान कलेक्टर महोदय,

कलेक्टर कार्यालय,जिला इन्दौर,म.प्र.

विषय – मुझ प्रार्थी द्वारा पूर्व मे आवेदन पर कोई सुनवाई नहीं होने बाबद।

महोदय,

निवेदन है कि, मै प्रार्थी राजकुमार कुरील पिता चंदुलाल कुरील, निवासी – 78, नारायण बाग,इन्दौर,म.प्र.।

यह कि, मेरे खसरा क. 15/2/1 की कृषि भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण एवं शासन की बिना अनुमति लिए बिना टी.एन.सी. डायवर्शन के शासन को हानि पहुंचाकर आरोपी फारूख पिता नूर मोहम्मद, इमाम उद्दीन तिगाला साथी सभी निवासी ग्राम बाक इन्दौर के द्वारा छोटे–छोटे भूखण्डो को काटकर कृषि भूमि का उपयोग अवैध कॉलोनी एवं अवैध निर्माण के रूप मे किया जा रहा है। जिसकी शिकायत पूर्व मे मेरे द्वारा पुलिस कमिश्नर महोदय एवं एस.टी.एफ. महोदय भोपाल को दी गई थी जिस पर ए.सी.पी. सराफा द्वारा जांच की गई थी एवं समस्त आरोपियो के बयान भी दर्ज किए गए थे। उसके बाद वर्तमान मे उक्त शिकायत पर जांच थाना चंदन नगर द्वारा की जा रही है। उसके बावजूद भी आरोपियो द्वारा लगातार अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसके अवैध निर्माण की फोटो की छायाप्रति प्रति पूर्व के आवेदन के साथ दे चुके है।

अतः श्रीमान जी से निवेदन है कि, मेरे आवेदन को स्वीकार कर न्यायहित मे न्याय अवैध निर्माण ध्वस्थ किया जावे एवं खरीदी बिक्री पर रोक लगाने एवं ग्रीन बेल्ट की भूमि होने के कारण वहां पर अवैध निर्माण को रोकने के लिए शासन के आदेश का बोर्ड लगावाने की कृपा करे। यही विनय है।

इन्दौर,

दिनांक – 21/01/2025

प्रार्थी

राजकुमार कुरील पिता चंदुलाल कुरील

मो.नं. – 9826256161

संलग्न :–

1. पूर्व मे दी गई आवेदन की छायाप्रति।

श्रीमान विशेष पुलिस महानिदेशक महोदय

पता – एफीवृत्त शुल्ला परिसर, द्वितीय मंजिल, श्यामला हिल, भोपाल (म.प्र.)

विषय :– भूमाफिया द्वारा ग्राम बांक, खसरा क्रमांक 15/2/1 पटवारी हल्का नंबर 7 राजस्व मण्डल क्र. 1 पर बिना टीएनसी डायवर्शन, बिना शासकीय अनुमति के, पंचायत की सांठ–गांठ से अवैध कॉलोनी का निर्माण करने के संबंध में।

महोदय

निवेदन करने वाला मैं प्रार्थी राजकुमार कुरील पिता चन्दूलाल कुरील, निवासी 51/बी, चंदन नगर, इन्दौर एवं मोहम्मद समीर पिता मोहम्मद फारूख निवासी 445/बी, चंदन नगर, इन्दौर का होकर निवेदन करता हूं कि –

//2//

यह कि, मेरे द्वारा सी.एम.हेल्प लाईन में जो शिकायत की गई थी, उक्त शिकायत के संबंध में पटवारी द्वारा 15/2/1 की भूमि की रिपोर्ट तैयार एवं मौका मुआयना कर लिया गया है।

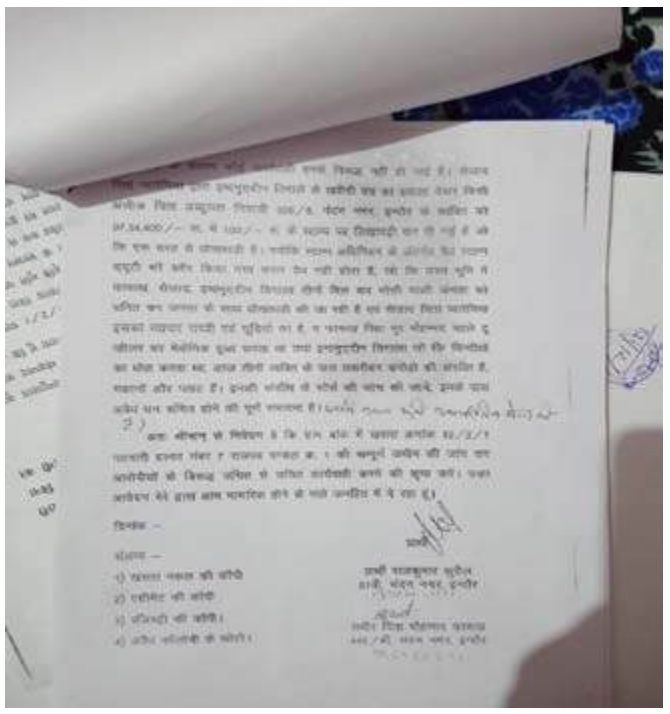

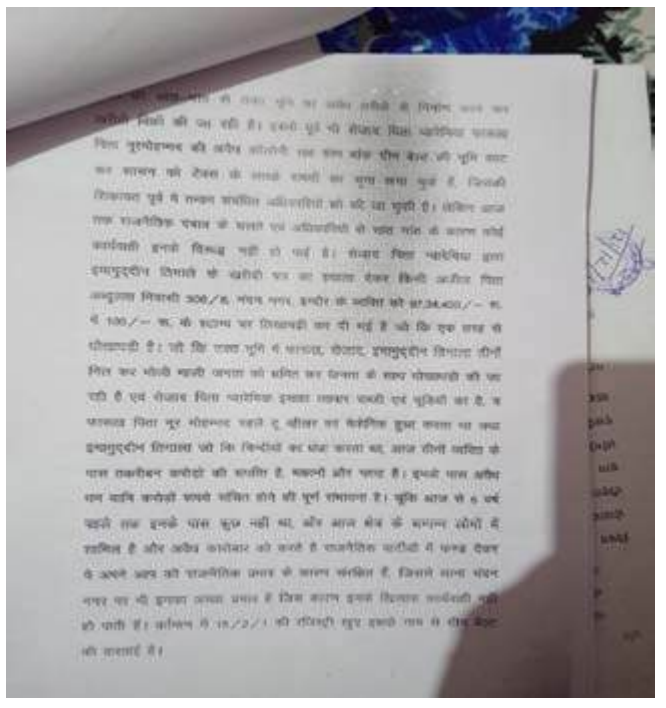

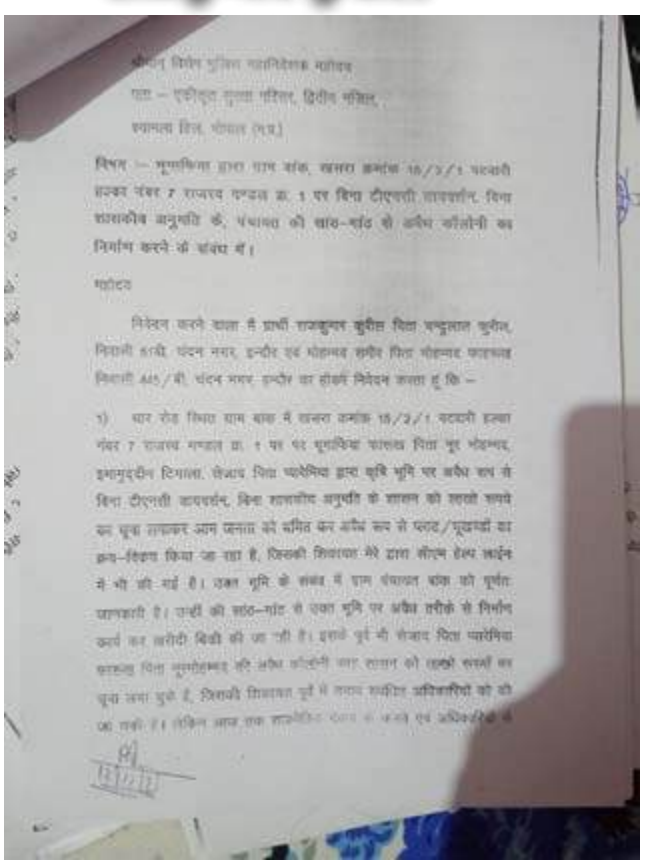

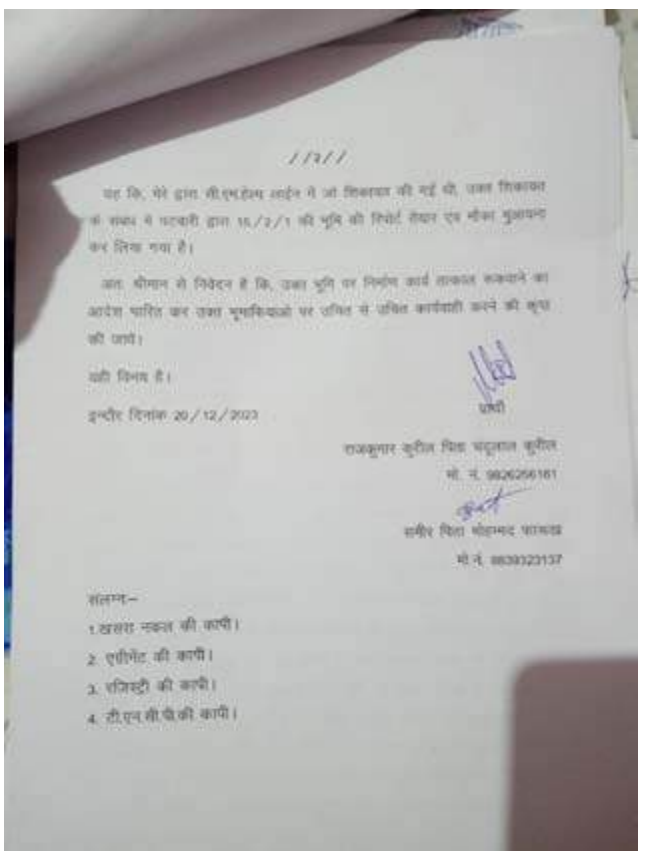

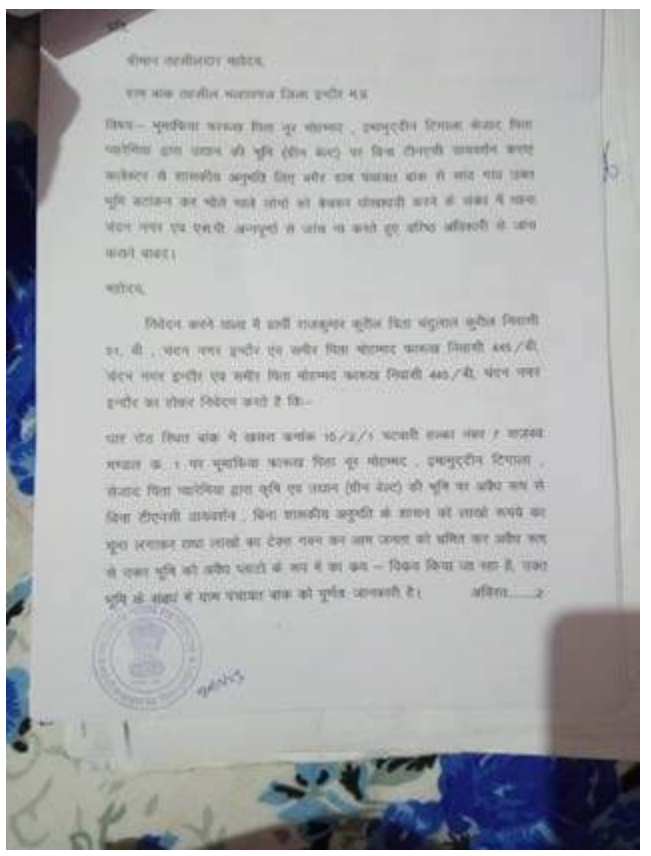

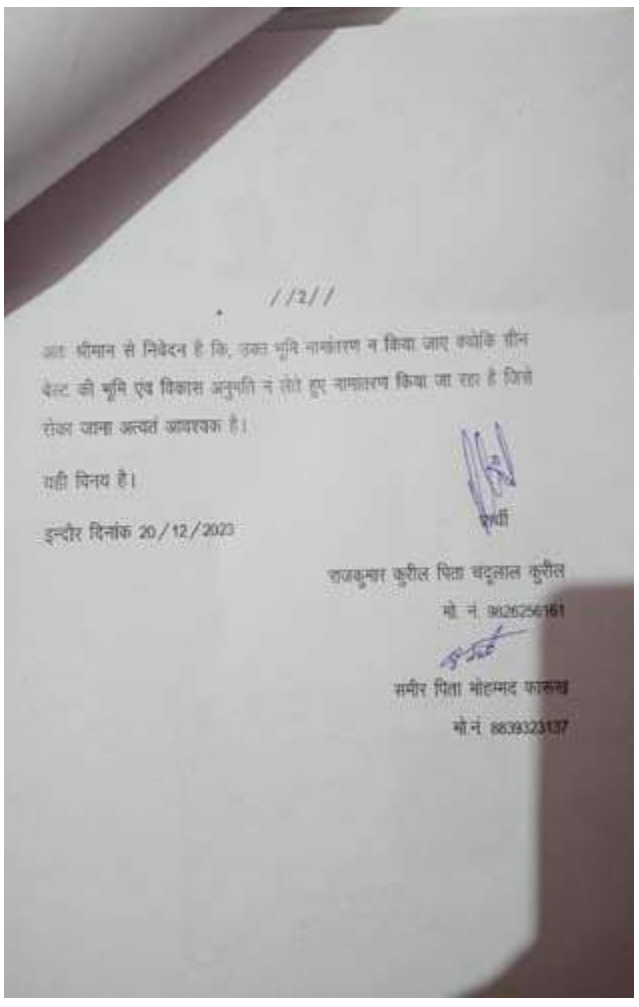

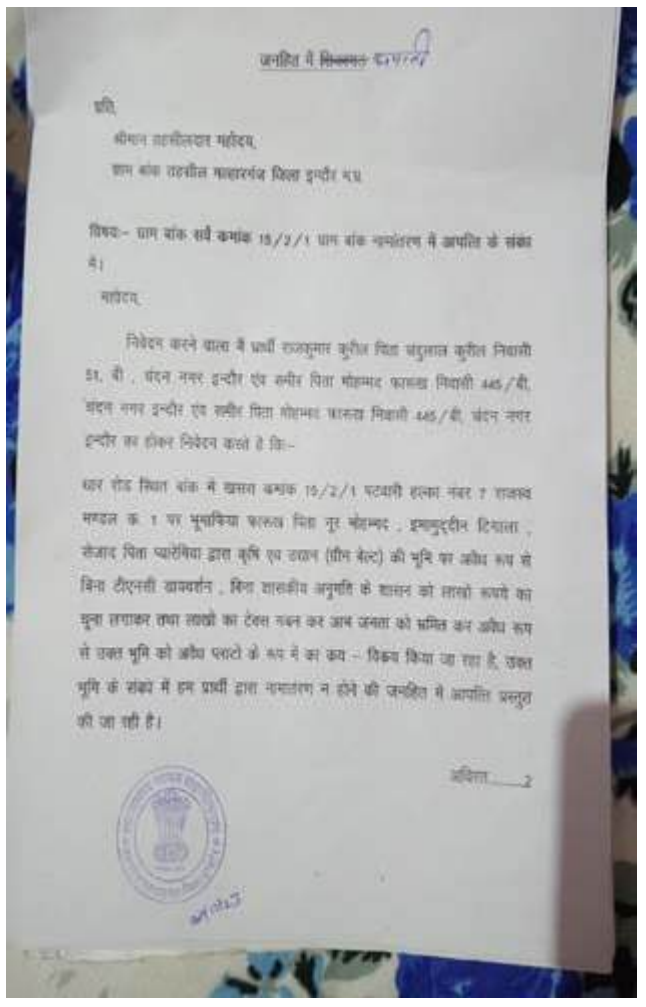

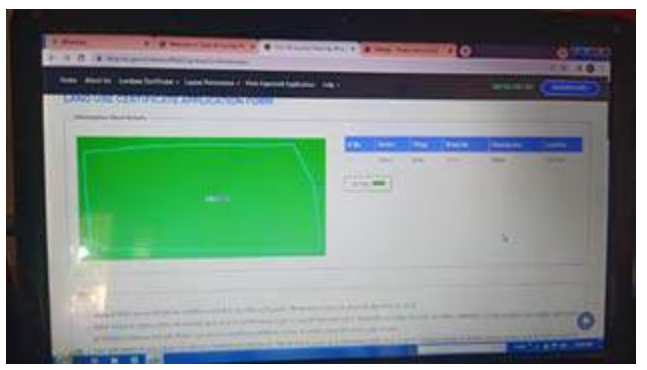

अतः श्रीमान से निवेदन है कि, उक्त भूमि पर निर्माण कार्य तत्काल रूकवाने का आदेश पारित कर उक्त भूमाफियाओं पर उचित से उचित कार्यवाही करने की कृपा की जावे।

यही विनय है।

इन्दौर दिनांक 20/12/2023

प्रार्थी

राजकुमार कुरील पिता चदूलाल कुरील

मो. नं. 9826256161

समीर पिता मोहम्मद फारूख

मो.नं. 8839323137

संलग्न:–

1. खसरा नकल की कापी।
2. एग्रीमेंट की कापी।
3. रजिस्ट्री की कापी।
4. टी.एन.सी.पी.की कापी।

श्रीमान तहसीलदार महोदय,

ग्राम बांक तहसील मल्हारगंज जिला इंदौर म.प्र.

विषय– भूमाफिया फारूख पिता नूर मोहम्मद, इमामुद्दीन टिग्याला, सेजाद पिता प्यारेमिया द्वारा ग्राम बांक की भूमि (ग्रीन बेल्ट) पर बिना टीएनसी डायवर्शन कराए कलेक्टर से शासकीय अनुमति लिए अवैध कॉलोनी काटे जाने के संबंध में।

महोदय,

निवेदन करने वाला मैं प्रार्थी राजकुमार कुरील पिता चदूलाल कुरील निवासी 51, बी, चंदन नगर इन्दौर एवं समीर पिता मोहम्मद फारूख निवासी 445/बी, चंदन नगर इन्दौर का होकर निवेदन करते है कि–

धार रोड स्थित बांक में खसरा क्रमांक 15/2/1 पटवारी हल्का नंबर 7 राजस्व मण्डल क्र. 1 पर भूमाफिया फारूख पिता नूर मोहम्मद, इमामुद्दीन टिग्याला, सेजाद पिता प्यारेमिया द्वारा कृषि एवं उद्यान (ग्रीन बेल्ट) की भूमि पर अवैध रूप से बिना टीएनसी डायवर्शन, बिना शासकीय अनुमति के शासन को लाखों रूपये का चूना लगाकर तथा लाखों का टेक्स गबन कर आम जनता को भ्रमित कर अवैध रूप से उक्त भूमि को अवैध प्लाटों के रूप में क्रय – विक्रय किया जा रहा है, उक्त भूमि के संबंध में ग्राम पंचायत बांक को पूर्ण जानकारी है। अविरत......2

//2//

अतः श्रीमान से निवेदन है कि, उक्त भूमि नामांतरण न किया जाए क्योंकि ग्रीन बेल्ट की भूमि एवं विकास अनुमति न लेते हुए नामांतरण किया जा रहा है जिसे रोका जाना अत्यंत आवश्यक है।

यही विनय है।

इन्दौर दिनांक 20/12/2023

प्रार्थी

राजकुमार कुरील पिता चदूलाल कुरील

मो. नं. 9826256161

समीर पिता मोहम्मद फारूख

मो.नं. 8839323137

जनहित में शिकायत दावा/आपत्ति

प्रति,

श्रीमान तहसीलदार महोदय,

ग्राम बांक तहसील मल्हारगंज जिला इन्दौर म.प्र.

विषय:– ग्राम बांक सर्वे क्रमांक 15/2/1 ग्राम बांक नामांतरण में आपत्ति के संबंध में।

महोदय,

निवेदन करने वाला मैं प्रार्थी राजकुमार कुरील पिता चदूलाल कुरील निवासी 51, बी, चंदन नगर इन्दौर एवं समीर पिता मोहम्मद फारूख निवासी 445/बी, चंदन नगर इन्दौर एवं समीर पिता मोहम्मद फारूख निवासी 445/बी, चंदन नगर इन्दौर का होकर निवेदन करते है कि–

धार रोड स्थित बांक में खसरा क्रमांक 15/2/1 पटवारी हल्का नंबर 7 राजस्व मण्डल क्र. 1 पर भूमाफिया फारूख पिता नूर मोहम्मद, इमामुद्दीन टिग्याला, सेजाद पिता प्यारेमिया द्वारा कृषि एवं उद्यान (ग्रीन बेल्ट) की भूमि पर अवैध रूप से बिना टीएनसी डायवर्शन, बिना शासकीय अनुमति के शासन को लाखों रूपये का चूना लगाकर तथा लाखों का टेक्स गबन कर आम जनता को भ्रमित कर अवैध रूप से उक्त भूमि को अवैध प्लाटों के रूप में क्रय – विक्रय किया जा रहा है, उक्त भूमि के संबंध में हम प्रार्थी द्वारा नामांतरण न होने की जनहित में आपत्ति प्रस्तुत की जा रही है।

अविरत......2

भारत की बहु आयामी तपस्विता को एक ब्रह्म करता कुम्भपर्व

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

भारतीय संस्कृति की सुरभि से विश्व पटल को सुवासित करता महाकुम्भ सनातन पर्व भारतीय तपस्विता के दैहिक दैविक भौतिक सामाजिक व आध्यात्मिक आयाम को संसार के सम्मुख प्रकट कर रहा है । विस्मय से विश्व की आँखे विस्फारित हो चली हैं। विपरीत परिस्थितियों में देह को तपाना दैहिक तपश्चर्या है वह लोक जीवन और सन्यस्थ जीवन दोनो में द्विआयामी दिखाई दे रही है। समस्त भौतिक वैभव को तजती मानवता जिस संपूर्ण सत्य की खोज में यहाँ वहाँ बिखरी हुई थी वह अपनी संपूर्ण निष्ठा के साथ एक स्थल पर कल्पवास को आतुर है। चिंतन मंथन जिज्ञासा विवेचना का निर्मल आनंद चरम पर है। अस्ति अर्थात जिसका अस्तित्व है उससे अधिक नास्ति जो दिखाई नहीं दे रहा उसका सौंदर्य बहुगुणित होता जा रहा है।अमृत के घट से छलकी वह बूँद जैसे दिव्यता के सागर की होड़ कर रही है जन समूह का समुद्र उस दिव्यता के सागर में समाने को आतुर है । देह घट में उपस्थित जीव घट इस महाकुंभ घट में जो घट रहा है उस घटना पर दार्शनिक दृष्टि का निर्मल आलेपन अनुभव कर रहा है। दूरदर्शी होने के लिए दृष्टि उदार होना आवश्यक है दिव्य दर्शी होने के लिए उपकार बुद्धि अर्थात कृतज्ञता आवश्यक है इसी उदाहरण का प्रस्तुत प्रसंग है कुम्भ पर्व।

भारत में मनाया जा रहा महाकुंभ पर्व द्वादश आवर्तन पूर्ण करते हुए 144 वर्ष के महा योग को साथ ले कर आया है। प्रतिभासित युग में समस्त विश्व प्रयागराज तीर्थ में प्रतिभासित स्नान कर रहा है और गूगल प्रतिभासित पुष्पवर्षा भी कर रहा है । प्रयाग राज में डुबकी लगाकर इस क्षण को साकार जीने वालों की संख्या भी करोड़ों में कही जा रही है भारत की धरती विश्व के सम्यक समागम का केन्द्र बनी हुई है । न कोई जात पूछ रहा है न ज्ञान । न सेवा भावना में कमी है न आस्था में । विश्व की सर्वथा प्राचीन सभ्यता अपनी परंपरा के महा उत्सव में सहगामी होने को आकुल त्रिवेणी के संगम की ओर बढ़ती चली आ रही है। समय के ताल पर अपनी गागर में सागर भर लेने को आतुर आस्था का महानृत्य है यह उत्सव ।

कलशस्य मुखे विष्णु कंठे रुद्र समाश्रितः
मूले तत्र स्थितौ ब्रहमा मध्ये मातृगणा स्मृता कुक्षौ तु सागराः सर्वे सप्तद्वीपा वसुंधरा ऋग्वेदो यजुर्वेदः सामवेदो अथर्वणः अंगेश्च संहिता सर्वे कलशम् तु समाश्रितः

जिस अमृत कलश का उल्लेख किया गया है यह उसकी दिव्यता का वर्णन ही है कि ब्रह्मा विष्णु शिव एवं शक्ति समेत सप्त द्वीप सप्त समुद्र चतुर्वेद संहिताएँ अपने अंगों अर्थात शिक्षा कल्प व्याकरण ज्योतिष छन्द निरुक्त समेत इस कुम्भ में विद्यमान हैं। यह कुम्भ पूजन श्लोक भारतीय सांस्कृतिक मंगल बोध का परिचायक है। एक ओर प्रत्येक मांगलिक कार्य में कुम्भ की प्रतिष्ठापना सर्वप्रथम की जाती है। सप्तधान्य के ऊपर सप्त तीर्थों औषधियों से संपन्न जल अथवा अक्षत से पूरकर सप्तपर्ण के साथ मानव मस्तिष्क का प्रतीक नारियल उसके मस्तक पर रख कर , पूर्णत्व की प्राण प्रतिष्ठा के रूप में उसका मंगलदायी स्थापन किया जाता है। वहीं दूसरी ओर क्षीर सागर के मन्थन से निकला कुम्भ अमृत से लबालब भरा होने पर जरा सा छलक जाता है तो उसकी अमृत बूंदें मानवता के मोक्ष लक्ष्य की दायिनी बन कर पुण्य दायी पर्व का स्थापन करती हैं।

भारतीय दर्शन में मानव के सर्वोच्च जीवन लक्ष्यों का जब भी उल्लेख होता है घट को साक्ष्य एवं बिम्ब बना कर दर्शन के गूढ प्रश्न स्वं अवधारणाएँ सरलता से समझा दी गई हैं। 'या घट भीतर पारस मोती याही में परखनहारा' कह कर संपूर्ण कबीरी निर्लिप्तता में मानव देह के कुंभ को ईश्वर का मंदिर बता दिया गया है। यत् पिण्डे तद् ब्रह्माण्डे कह कर संसार को भी घट बता दिया गया। भारतीय आर्ष मनीषी ने कुम्भ के विराट बिम्ब को रचते हुए उपनिषद के शांति पाठ में ऊं पूर्णमदः पूर्णमिदम् पूर्णात पूर्णमुदच्यते पूर्णस्प पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते के द्वारा ईश्वर की भव्य अवधारणा कितनी सरलता से हमारे सम्मुख रख दी है कि यह घट पूर्ण है वह घट भी पूर्ण है । पूर्ण से ही पूर्ण की रचना होती है। तथा उस परम संपूर्ण में से पूर्ण के रच दिए जाने पर जो शेष बचता है वह भी पूर्ण ही है। . . .

अमृत कलश की छलकती बूंदों से पवित्र हुई चार पुरियों में शाश्वत काल से मनता चला आ रहा कुंभ उत्सव भारतीय प्राचीन सभ्यता की जीवन्त उत्सवधर्मिता का प्रतीक है। देवों और दानवों के द्वारा मंथन किए जाने पर निकले अमृत घट के पूर्व निकले हालाहल विष का पान करने वाले शिव का लोक कल्याण कारी स्वरूप यह संदेश देता है कि अमृतत्त्व तो विषपायी के लोक कल्याण भाव में है । परहित सरिस धर्म नहिं भाई । पर पीड़ा सम नहिं अधमाई कुंभ का उत्सव अमृत के तत्व को आत्मसात करने का पर्व है। भारत की आध्यात्मिक मेधा अपनी तपस्विता के एकाकी क्रियान्वयन को त्याग कर 45 दिनों के लिए शास्त्रार्थ , चिंतन , मंथन की कामना से आध्यात्मिक संसद में एकत्र होती है। कदाचित पूज्यपाद आदिशंकराचार्य जी भी इसी कामना को आधार रख कर मानवता को सामूहिक मानस मंथन कर आध्यात्म का नवनीत निकालने की प्रेरणा दे गए हैं। भारतीय प्रज्ञा अमृत के महत्व को समझती है वह जन्म से ही मोक्ष की कामना को समझते हुए परिपक्व होती है क्योंकि उसे शैशव काल में वैदिक वाङ्मय स्वरूप बीज ग्रंथ मिले हैं और बाल्य काल में रामायण महाभारत जैसे महाकाव्य मिले हैं । विश्व गुरु कहलाने वाली यह सभ्यता सनातन काल से धर्म द्वारा अनुशासित है।

भारतीय दर्शन में प्रस्थान त्रयी उपनिषद, गीता एवं ब्रह्म सूत्र के भाष्यकार आदिशंकराचार्य ने इसे वेद व्रती संस्कृति को पुनः पुनः मानस मंथन कर अमृत रूपी दिव्य सत्व की बूंद आत्मसात करने का सुंदर प्रयोजन स्थल कहा है। सत्य है कि प्रथम जिज्ञासा, पश्चात परिवर्तन फिर नवाचार की प्रक्रिया हर युग को नव निर्मिति का संदेश देती चलती है कि अतीत के सत्य को अपना लो फिर इसे शिव अर्थात कल्याणकारी वर्तमान में बदलो जिससे भविष्य स्वतः सुन्दर हो जाए ।

डॉ आरती दुबे
साहित्यकार एवं शिक्षाविद्
drarteedubey@gmail.com

पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ को राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जाएगा

ऋषि गोस्वामी

लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान शिवपुरी पुलिस द्वारा शांति व्यवस्था बनाये रखते हुये उत्कृष्ट कार्यवाही करने पर मतदाता दिवस के अवसर पर राज्यपाल द्वारा पुलिस अधीक्षक शिवपुरी को सम्मानित करेंगे

शिवपुरी-लोकसभा चुनाव 2024 मे दिनांक 16 मार्च से 04 जून 2024 तक आदर्श आचार संहिता लागू रही जिसमे शिवपुरी पुलिस द्वारा बड़ी संख्या मे आपराधिक तत्वों पर कार्यवाही की गयी एवं भारी मात्रा मे अवैध मादक पदार्थ एवं हथियारों को जप्त कर लोक सभा चुनाव शांति पूर्ण संपन्न कराया एवं संपूर्ण जिले मे कहीं भी रीपोल जैसी स्थिती निर्मित नहीं होने दी। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान शिवपुरी पुलिस द्वारा शांति व्यवस्था बनाये रखते हुये उत्कृष्ट कार्यवाही करने पर से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौर एवं शिवपुरी पुलिस की प्रसंशा की थी।

लोकसभा निर्वाचन में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु एवं कानून व्यवस्था बढ़िया रहने पर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ को मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी 2025 को भोपाल में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में राज्यपाल मध्यप्रदेश द्वारा सम्मानित किया जाएगा । शिवपुरी पुलिस द्वारा लोकसभा चुनाव के दौरान कुल 414 स्थाई वारंटी एवं 938 गिरफ्तारी वारंट तामील कराये गये इसके अतिरिक्त पुलिस द्वारा कुल 33049 लीटर अवैध शराब कीमती करीबन 5745205 रुपये एवं 45 वाहनो कीमती 11762000 रुपये कुल मसरुका 17507205 रुपये का जप्त कर 728 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट मे कार्यवाही की गयी । शिवपुरी पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट मे 291.45 ग्राम स्मैक कीमती 5042000 रुपये, 117.09 किलोग्राम गांजा कीमती 4487800 रुपये, 17.45 किलोग्राम चरस कीमती 34890000 रुपये के साथ 10 वाहन 5 मोबाइल कीमती 1725000 रुपये के जप्त कर 47 आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की गयी, इसके अतिरिक्त आर्म्स एक्ट मे 105 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही कर 50 अवैध फायर आर्म्स, 66 कारतूस एवं 60 धारदार हथियार के साथ 7 वाहनों को जप्त किया । शिवपुरी पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान कुल 4622200 रुपये जप्त किये । शिवपुरी पुलिस द्वारा लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कुल 19183 व्यक्तियों के खिलाफ प्रतिवंधात्मक कार्यवाही, 104 आदतन अपराधियों को जिला बदर एवं 01 आरोपी के खिलाफ एनएसए की कार्यवाही की गयी थी । शिवपुरी पुलिस द्वारा लोकसभा चुनाम 2024 के दौरान पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन मे शांति व्यवस्था को वनाये रखा एवं शांति पूर्ण चुनाव संपन्न कराया गया ।

भोपाल में राज्यपाल के हाथों सम्मानित होंगे शिवपुरी कलेक्टर चौधरी

लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के लिए 25 जनवरी को मिलेगा लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान अच्छा काम करने के लिए शिवपुरी कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार चौधरी को विशेष सम्मान मिलेगा। यह सम्मान 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी 2025 को भोपाल में आयोजित होने वाले समारोह में प्रदान किया जाएगा। कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में होने वाले इस कार्यक्रम में राज्यपाल कलेक्टर चौधरी को सम्मानित करेंगे। इस अवसर पर अन्य जिलों के चुनिंदा अधिकारियों को भी सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि शिवपुरी जिले में लोकसभा चुनाव के दौरान शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराने और कुशल प्रशासनिक प्रबंधन के लिए कलेक्टर चौधरी की सराहना हुई है।

पत्रांक : एनयूजेआई/पीआर/23ए/25

देश में पत्रकारों के लिए बेहतर माहौल बनाने के लिए एनयूजेआई संघर्ष करेगी तेज : रास बिहारी

दिल्ली के केंद्रीय कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया एनयूजेआई का 53वां स्थापना दिवस

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े पत्रकार संगठन नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया का 53वां स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से दिल्ली के जंतर-मंतर स्थित केंद्रीय कार्यालय में मनाया गया। इस मौके पर एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने आपातकाल के दौरान संगठन की भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डाला। रास बिहारी ने कहा कि पत्रकारों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए हम लगातार सरकार से मांग करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी प्रमुख मांगों में पत्रकार सुरक्षा अधिनियम, मीडिया आयोग का गठन, पत्रकारों के राष्ट्रीय रजिस्टर प्रमुख है। एनयूजेआई और इससे संबंद्ध राज्य इकाइयां पत्रकारिता में नई प्रौद्योगिकियों की चुनौतियों का सामना करने में मदद करने, पत्रकारों को नई प्रौद्योगिकियों से परिचित कराने, उनके पेशेवर कौशल में सुधार करने के लिए अक्सर कार्यशालाएं, सेमिनार, चर्चाएं आयोजित करती रही हैं। उन्होंने कहा कि एनयूजेआई हमेशा संपादकीय स्वतंत्रता कर पक्षधर रही है, साथ ही से अखबार मालिकों के व्यावसायिक हितों से ऊपर रखने के संघर्ष में सबसे आगे रही है। उन्होंने कहा कि मार्च 1977 में नई सरकार के सत्ता में आने के बाद एनयूजेआई ने बोर्ड के नवीनीकरण या ट्रिब्यूनल के गठन पर जोर दिया। उसके बाद ही जनता पार्टी की सरकार ने ट्रिब्यूनल के गठन के लिए संसद से एक अधिनियम पारित किया। एनयूजेआई ने सरकार के समक्ष अनेक साक्ष्य पेश किए। उन्होंने कहा कि पूर्व एनयूजेआई अध्यक्ष स्वर्गीय मीनाक्षी सुंदरम स्वयं ट्रिब्यूनल के समक्ष श्रमजीवी पत्रकारों के मामले पर बहस करने के लिए उपस्थित हुए थे। न्यायमूर्ति पालेकर ने एनयूजेआई के योगदान को स्वीकार किया था।

इस अवसर पर दिल्ली पत्रकार संघ के अध्यक्ष राकेश थपलियाल और महासचिव प्रमोद कुमार सिंह ने उपस्थित पत्रकारों को बधाई देते हुए कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि पत्रकार और पत्रकारिता के लिए संगठन हमेशा सकारात्मक भूमिका निभाती आई है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की केंद्रीय मीडिया प्रत्यायन समिति (सीएमएसी) की दो वर्ष की अवधि (2025-27) के लिए पुनर्गठन संबंधी समिति में एनयूजेआई अध्यक्ष रास बिहारी, सचिन बुधोलिया और श्रीराम जोशी को शामिल किया गया है। उपस्थित पत्रकारों ने सीएमएसी के नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई भी दिया। इस अवसर पर एनयूजेआई चुनाव आयोग के सदस्य अशोक किंकर, एनयूजेआई सचिव अमलेश राजू, एनयूजे कार्यकारिणी के सदस्य मनोज वर्मा, डीजेए के कोषाध्यक्ष नरेश गुप्ता, एनयूजेआई महिला विंग की समन्वयक प्रतिभा शुक्ल, सदस्या अनीता चौधरी, डीजेए कार्यकारिणी की सदस्या निवेदिता मदाने, सदस्य डॉ अशोक बर्थवाल, नवीन गौतम, प्रदीप श्रीवास्तव, राजेश भासीन, आलोक मोहन नायक, अमित गौड़, मानवेंद्र कुमार, सुशील देव, कृष्ण कुमार तिवारी सहित दर्जनों पत्रकारं उपस्थित थे। उन्होंने सभी पत्रकारों का धन्यवाद करते हुए कहा कि पत्रकारों के हित के लिए सड़क से लेकर सत्ता के गलियारों तक जमकर संघर्ष करेंगे और सत्ता में शीर्ष पर बैठे लोगों तक आम पत्रकारों की समस्याओं को पहुंचाएंगे और उनका निवारण करवाएंगे।

Ref No.: NUJI/PR/23A/25

Date: 23/01/2025

NUJI will intensify its struggle to create a better environment for journalists in the country: Ras Bihari

NUJI's 53rd Foundation Day celebrated with great pomp at the central office in Delhi

New Delhi, January 23, 2025. The 53rd Foundation Day of the country's largest journalist organization, the National Union of Journalists, India, was celebrated with great pomp at the central office in Jantar Mantar, Delhi. On this occasion, NUJI National President Ras Bihari threw light on the role of the organization during the Emergency. Ras Bihari said that we have been continuously demanding from the government for the protection of journalists and their rights. He said that our main demands include Journalist Protection Act, formation of Media Commission, National Register of Journalists. NUJI and its affiliated state units have been frequently organizing workshops, seminars, discussions to help journalists meet the challenges of new technologies in journalism, to familiarize them with new technologies, to improve their professional skills. He said that NUJI has always been in favour of editorial freedom and has been in the forefront of the struggle to keep it above the commercial interests of newspaper owners. He said that after the new government came to power in March 1977, NUJI insisted on the renewal of the board or the formation of a tribunal. Only then did the Janata Party government pass an Act of Parliament to form a tribunal. NUJI presented a lot of evidence before the government. He said that former NUJI President late Meenakshi Sundaram herself appeared before the tribunal to argue the case of working journalists. Justice Palekar had acknowledged the contribution of NUJI.

On this occasion, Delhi Journalist Association President Rakesh Thapliyal and General Secretary Pramod Kumar Singh congratulated the journalists present and said that it is a matter of great joy that the organization has always played a positive role for journalists and journalism. He expressed happiness that NUJI President Ras Bihari, Sachin Budholia and Shriram Joshi have been included in the restructuring committee of the Central Media Accreditation Committee (CMAC) of the Ministry of Information and Broadcasting for a period of two years (2025-27). The journalists present also congratulated the newly elected members of CMAC. On this occasion, NUJI Election Commission member Ashok Kinkar, NUJI Secretary Amlesh Raju, NUJ Executive member Manoj Verma, DJA Treasurer Naresh Gupta, NUJI Women Wing Coordinator Pratibha Shukla, member Anita Chaudhary, DJA Executive members Nivedita Madane, Dr. Ashok Barthwal, Naveen Gautam, Pradeep Srivastava, Rajesh Bhasin, Alok Mohan Nayak, Amit Gaur, Manvendra Kumar, Sushil Dev, Krishna Kumar Tiwari and dozens of journalists were present. He thanked all the journalists and said that he will fight fiercely from the streets to the corridors of power for the benefit of journalists and will convey the problems of common journalists to the people sitting at the top in power and will get them resolved.

भाजपा नेता सुनील पुरोहित के घर में घुसा तेंदुआ

आदित्य शर्मा, 8224951278
सहसंपादक रणजीत टाइम्स

इंदौर।

देव गुराडिया में भाजपा नेता सुनील पुरोहित के घर में तेंदुआ घुस गया जिसकी सूचना सुनील पुरोहित द्वारा विधायक मधुवर्मा को दी गई एवं उसके बाद विधायक महोदय द्वारा वनविभाग को सूचना दी गई एवं वन विभाग द्वारा तेंदुए को पकड़ा गया जब हमारे द्वारा सुनील पुरोहित से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि तेंदुआ रात्रि में निर्माण हो रहे घर में छुपा था एवं सुबह वह निकला तो हमारे पड़ोसी सुदीप पाठक एवं आम जनता द्वारा देखा गया वही पुरोहित जी द्वारा बताया गया कि पास में रालामंडल जंगल होने के कारण तेंदुआ इधर बस्ती में घुस आता है।